IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 1, July 2025
Impact Factor: 7.67

सामाजिक अनुसंधान में साक्षात्कार प्रविधि की भूमिका

डॉ. महेंद्र कुमार

सहायक आचार्य, समाजशास्त्र

राजकीय महाविद्यालय, सिणधरी, (बालोतरा)

डॉ. हरीश जाटोल

सहायक आचार्य, भूगोल

राजकीय महाविद्यालय, सिणधरी, (बालोतरा)

लेखा राम

सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र

राजकीय महाविद्यालय, सिणधरी, (बालोतरा)

सारांश

सामाजिक अनुसंधान समाज की संरचना, कार्यप्रणाली, और उसमें होने वाले परिवर्तनों को समझने का एक वैज्ञानिक माध्यम है। इसमें विभिन्न अनुसंधान प्रविधियों का उपयोग किया जाता है, जिनमें साक्षात्कार (Interview) एक अत्यंत महत्वपूर्ण तकनीक है। यह तकनीक शोधकर्ता को व्यक्तियों के दृष्टिकोण, अनुभवों और सामाजिक वास्तविकताओं को समझने का अवसर प्रदान करती है। यह शोध पत्र साक्षात्कार प्रविधि के प्रकार, महत्व, लाभ, सीमाएँ और इसके सामाजिक अनुसंधान में योगदान पर केंद्रित है।
क्षेत्रीय कार्य की पद्धतियों में साक्षात्कार का स्थान सर्वोपरि हैं। व्यक्ति की मनोवृतियों, भावनाओं एवं आंतरिक विचारों का अध्ययन एवं विश्लेषण करने के लिए साक्षात्कार एक उपयोगी पद्धति हैं। इसमें अध्ययनकर्ता एवं सूचनादाता एक –दूसरे के सामने संबंध स्थापित कर वार्तालाप करके अभीष्ट सामग्री प्राप्त करता हैं। इस पद्धति का प्रयोग सामाजिक विज्ञानों के अनुसंधानों में ही संभव हैं।

मूल शब्द – सामाजिक , अनुसंधान , साक्षात्कार , प्रविधि

प्रस्तावना

सामाजिक अनुसंधान का उद्देश्य समाज के विभिन्न पहलुओं का वैज्ञानिक विश्लेषण करना है। इसके लिए शोधकर्ता विभिन्न विधियों का प्रयोग करते हैं। साक्षात्कार प्रविधि एक ऐसी तकनीक है जो प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से जानकारी एकत्र करने में सहायक होती है। यह व्यक्ति–केन्द्रित जानकारी के संग्रह का सशक्त माध्यम है, जो मात्रात्मक एवं गुणात्मक दोनों प्रकार के शोध में उपयोगी है।

साक्षात्कार प्रविधि का परिचय

साक्षात्कार एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें एक शोधकर्ता और एक उत्तरदाता (Respondent) के बीच आमने–सामने संवाद होता है। यह संवाद पूर्व निर्धारित प्रश्नों के आधार पर या खुली चर्चा के रूप में हो सकता है। इसके माध्यम से शोधकर्ता व्यक्ति की

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 1, July 2025
Impact Factor: 7.67

सोच, अनुभव, दृष्टिकोण और व्यवहार को समझता है। साक्षात्कार का सामाजिक अनुसंधान की पद्धतियों में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान हैं। साक्षात्कार विधि मौखिक रूप से प्रश्न के माध्यम से तथ्य संकलन की विधि है

साक्षात्कार का अर्थ एवं परिभाषा

साक्षात्कार को अंग्रेजी भाषा में 'इंटरव्यू' कहा जाता हैं। इंटरव्यू दो शब्दों से मिलकर बना है– इंटर तथा व्यू । इंटर का अर्थ होता है– अंदर तथा व्यू का अर्थ होता है– देखना अथवा दृष्टि। अतः दोनों शब्दों का सम्मिलित अर्थ हैं–अंतर –दृष्टि।
दूसरे शब्दों में जिन अप्रकट अथवा अदृश्य तथ्यों का बाहरी रूप से निरीक्षण नहीं हो सकता, उन तथ्यों की जानकारी प्राप्त करना ही साक्षात्कार कहलाता हैं।

परिभाषाएं

'डेन्जिन के अनुसार," साक्षात्कार सम्मुख वार्तालाप विनिमय हैं, जिसमें एक व्यक्ति दूसरे से सूचना प्राप्त करता हैं।"

गुडे एवं हाट के अनुसार, " साक्षात्कार मूल रूप से सामाजिक अन्तः क्रिया की एक प्रक्रिया हैं।৳

जॉन डी डार्ले के अनुसार, "साक्षात्कार एक उद्देश्यपूर्ण वार्तालाप हैं।"

एम. एन.बसु के अनुसार, " एक साक्षात्कार को कुछ विषयों को लेकर व्यक्तियों के आमने–सामने का मिलन कहा जा सकता हैं।"

साक्षात्कार की विशेषताएं

1. साक्षात्कार के लिए दो या दो से अधिक व्यक्तियों का होना आवश्यक है जो परस्पर संपर्क वार्तालाप एवं अन्तःक्रिया करते हैं।
2. इन व्यक्तियों में एक साक्षात्कार लेने वाला होता हैं और दूसरा उत्तरदाता ।
3. साक्षात्कार एक सामाजिक प्रक्रिया है।
4. साक्षात्कार एक उद्देश्यपूर्ण वार्तालाप हैं।
5. यह एक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया भी हैं।
6. साक्षात्कार में दोनों पक्षों के बीच आमने–सामने के और प्राथमिक संबंध स्थापित हो जाते हैं।
7. साक्षात्कार में अनुसंधानकर्ता द्वारा अध्ययन विषय से संबंधित सूचनाओं एवं तथ्यों का संकलन किया जाता हैं।
8. साक्षात्कार सूचना संकलन की एक मौखिक विधि हैं।

साक्षात्कार के प्रमुख उद्देश्य

1. गहन जानकारी प्राप्त करना– साक्षात्कार के माध्यम से शोधकर्ता प्रतिभागियों से गहन और विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
2. व्यक्तिगत दृष्टिकोण समझना– साक्षात्कार व्यक्तिगत दृष्टिकोण और अनुभवों को समझने का एक प्रभावी तरीका है।
3. अनुभवों का विश्लेषण– साक्षात्कार के माध्यम से प्रतिभागियों के अनुभवों और दृष्टिकोणों का विश्लेषण किया जा सकता है।
4. नई जानकारी का संग्रह– साक्षात्कार के माध्यम से नई जानकारी का संग्रह किया जा सकता है जो अन्य तरीकों से प्राप्त नहीं हो सकती।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in
DOI: 10.48175/IJARSCT-28440

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 1, July 2025
Impact Factor: 7.67

5. समस्या का समाधान— साक्षात्कार के माध्यम से समस्याओं का समाधान करने के लिए सुझाव और विचार प्राप्त किए जा सकते हैं।

6. निर्णय लेने में मदद— साक्षात्कार के माध्यम से प्राप्त जानकारी निर्णय लेने में मदद कर सकती है।

7. गुणात्मक डेटा संग्रह— साक्षात्कार गुणात्मक डेटा संग्रह का एक प्रभावी तरीका है, जिससे प्रतिभागियों के विचारों और अनुभवों को गहराई से समझा जा सकता है।

साक्षात्कार के प्रकार (Types of Interviews)

साक्षात्कार के विभिन्न प्रकार हो सकते हैं, जिन्हें निम्नलिखित श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता हैरू

संरचना के आधार पर—

1. संरचित साक्षात्कार— इसमें पूर्व—निर्धारित प्रश्नों का एक सेट होता है जिसे प्रत्येक प्रतिभागी को पूछा जाता है। यह विधि अधिक नियंत्रित और संगठित होती है।

2. अर्ध—संरचित साक्षात्कार— इसमें कुछ पूर्व—निर्धारित प्रश्न होते हैं, लेकिन साक्षात्कारकर्ता को लचीलापन भी होता है ताकि वे अनुवर्ती प्रश्न पूछ सकें और गहराई से जानकारी प्राप्त कर सकें।

3. असंरचित साक्षात्कार— इसमें कोई पूर्व—निर्धारित प्रश्न नहीं होते। साक्षात्कारकर्ता और प्रतिभागी के बीच बातचीत अधिक खुली और लचीली होती है, जिससे प्रतिभागी के विचारों और अनुभवों को गहराई से समझने का अवसर मिलता है।

उद्देश्य के आधार पर—

1. नौकरी के लिए साक्षात्कार— नौकरी के लिए उम्मीदवारों का मूल्यांकन करने के लिए आयोजित किया जाता है।

2. शोध साक्षात्कार— शोध के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है, जिसमें प्रतिभागियों से जानकारी प्राप्त की जाती है।

3. चिकित्सा साक्षात्कार— चिकित्सा के क्षेत्र में रोगियों की जानकारी और इतिहास प्राप्त करने के लिए आयोजित किया जाता है।

माध्यम के आधार पर—

1. व्यक्तिगत साक्षात्कार— आमने—सामने आयोजित किया जाने वाला साक्षात्कार।

2. टेलीफोन साक्षात्कार— टेलीफोन के माध्यम से आयोजित किया जाने वाला साक्षात्कार।

3. वीडियो साक्षात्कार— वीडियो कॉलिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से आयोजित किया जाने वाला साक्षात्कार।

साक्षात्कार प्रक्रिया के प्रमुख चरण

- साक्षात्कार का प्रारंभ एवं औपचारिकताएं
- साक्षात्कार की प्रारंभिक तैयारी
- उत्तरदाता से संपर्क एवं पूर्व नियुक्ति
- प्रश्न पूछना
- उपयुक्त एवं अर्थपूर्ण उत्तरों की प्राप्ति
- आलेखन

- समापन

साक्षात्कार पद्धति के गुण

अधिक विस्तृत एवं गहन सूचनाओं का संकलन

- लचीलापन
- अधिक अर्थपूर्ण सूचनाएं
- अधिक प्रत्युत्तर दर एवं सहयोग
- स्मरण दिलाने एवं प्रेरित करने की सुविधा
- तुरन्त एवं स्वाभाविक स्तर
- संवेदनात्मक एवं कमजोर विषयों के बारे में जानकारी
- अन्य विषयों के लिए एक पूरक विधि

साक्षात्कारकर्ता के गुण– साक्षात्कार के सफलता के लिए अच्छे साक्षात्कारकर्ता एवं सामाजिक अनुसंधानकर्ता का होना अनिवार्य हैं। एक अच्छे साक्षात्कारकर्ता में निम्नलिखित गुणों का होना वांछनीय समझा जाता हैं।

1 . शारीरिक तथा व्यक्तिगत गुण

- आकर्षक व्यक्तित्व
- सामान्य स्वास्थ्य
- धैर्य
- सहनशीलता
- जिज्ञासा

2. बौद्धिक गुण

- रचनात्मक कल्पना शक्ति
- शीघ्र निर्णय लेने की क्षमता
- सांख्यिकीय योग्यता
- विचारों की स्पष्टता
- तार्किकता या विवेकशीलता
- बौद्धिक ईमानदारी

3. व्यवहारात्मक गुण

- व्यवहार में अनुकूलन की क्षमता

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 1, July 2025
Impact Factor: 7.67

- संतुलित वार्तालाप की क्षमता
- सतर्कता
- आत्म नियंत्रण
- व्यवहार में कुशलता

4. अध्ययन –विषय से संबंधित गुण

- विषय में रुचि
- विषय में पारंगत होना
- समस्या के बारे में एकाग्रता
- विभिन्न अध्ययन पद्धतियों एवं उपकरणों का ज्ञान

5. क्रिया संबंधी गुण

- व्यक्ति, समय तथा स्थान का ज्ञान
- प्रशिक्षण
- अनुभव
- संगठन शक्ति

साक्षात्कार पद्धति के दोष

- खर्चीली विधि
- अधिक विस्तृत क्षेत्र में प्रयोग कठिन
- विशेष कुशलता एवं प्रशिक्षण की आवश्यकता
- मौखिक उत्तर पर अधिक विश्वास
- एकरूपता की कमी
- प्रशिक्षित साक्षात्कारकर्ता का अभाव

साक्षात्कार के लाभ

- प्रत्यक्ष संवाद द्वारा सटीक जानकारी प्राप्त होती है।
- उत्तरदाता के गैर–मौखिक संकेतों (छवद–अमतइंस बनमे) को समझने का अवसर।
- लचीली प्रविधिरू उत्तरदाता के अनुसार प्रश्न बदले जा सकते हैं।
- गूढ़ एवं व्यक्तिगत विषयों पर भी जानकारी संभव।

साक्षात्कार की सीमाएँ

  - समय एवं संसाधन की अधिक आवश्यकता।
  - साक्षात्कारकर्ता की पूर्वाग्रहता (ठपें) जानकारी को प्रभावित कर सकती है।
  - कुछ विषयों पर उत्तरदाता खुलकर बात नहीं करते।

- बड़े पैमाने पर आंकड़े इकट्ठा करना कठिन।

साक्षात्कार विधि के अनुप्रयोग

- सामाजिक विज्ञान– साक्षात्कार विधि का उपयोग सामाजिक विज्ञान में विभिन्न विषयों पर शोध करने के लिए किया जाता है, जैसे कि सामाजिक समस्याएं, व्यक्तिगत अनुभव, और संस्थागत अध्ययन।
- मनोविज्ञान– साक्षात्कार विधि का उपयोग मनोविज्ञान में व्यक्तियों के विचारों, भावनाओं, और व्यवहारों को समझने के लिए किया जाता है।
- शिक्षा– साक्षात्कार विधि का उपयोग शिक्षा में छात्रों, शिक्षकों, और शैक्षिक संस्थानों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए किया जाता है।

साक्षात्कार विधि की चुनौतियाँ

- पक्षपातः– साक्षात्कारकर्ता का पक्षपात साक्षात्कार के परिणामों को प्रभावित कर सकता है, जिससे परिणामों की वैधता और विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है।
- नमूना आकारः– साक्षात्कार विधि में नमूना आकार सीमित हो सकता है, जिससे परिणामों की सामान्यीकरण क्षमता प्रभावित हो सकती है।

साक्षात्कार विधि के लिए सुझाव–

- स्पष्ट उद्देश्य – साक्षात्कार के उद्देश्य को स्पष्ट रूप से परिभाषित करना और उसी के अनुसार प्रश्न तैयार करना।
- उपयुक्त नमूना चयन– प्रतिभागियों का चयन सावधानी से करना ताकि वे शोध के उद्देश्य के लिए प्रासंगिक हों।
- नैतिकता का पालन– साक्षात्कार में प्रतिभागियों की गोपनीयता और सहमति का ध्यान रखना और नैतिक मानकों का पालन करना।

सामाजिक अनुसंधान में साक्षात्कार की भूमिका

- मानव व्यवहार को समझना– साक्षात्कार व्यक्ति की सोच, भावनाओं और दृष्टिकोणों को जानने का मार्ग प्रदान करता है।
- गुणात्मक जानकारी प्राप्त करना– आँकड़ों के परे जाकर सामाजिक अनुभवों को समझना संभव होता है।
- नवाचार और नीतिगत निर्णयों में सहायक– साक्षात्कार के माध्यम से प्राप्त जानकारी सामाजिक नीति निर्धारण में मददगार होती है।
- विषयों की गहराई तक पहुँचना– यह प्रविधि विषयवस्तु की जटिलताओं को समझने में मदद करती है।

निष्कर्ष

साक्षात्कार प्रविधि सामाजिक अनुसंधान का एक महत्वपूर्ण उपकरण है जो न केवल आंकड़ों को संकलित करता है, बल्कि उन आंकड़ों के पीछे की मानवीय भावनाओं, विचारों और अनुभवों को भी उजागर करता है। हालांकि इसमें कुछ सीमाएँ हैं, फिर भी यह सामाजिक वास्तविकताओं की गहराई तक पहुँचने का एक प्रभावशाली माध्यम है।

साक्षात्कार विधि एक शक्तिशाली शोध तकनीक है जो शोधकर्ताओं को प्रतिभागियों से गहन और विस्तृत जानकारी प्राप्त करने में मदद करती है। इस विधि के माध्यम से शोधकर्ता विभिन्न विषयों पर शोध कर सकते हैं और महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकाल सकते हैं।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. Goode] W- J- & Hatt] P- K- (1981). Methods in Social Research-
2. Denzin] N- K-] & Lincoln] Y- S- (2005). The Sage Handbook of Qualitative Research-
3. Bajpai] S- R- (2010). Social Research Methodology
4. कोली ,लक्ष्मी नारायण(2017) ,रिसर्च मेथाडोलॉजी"Y-K-Publishers]Agra
5. आहूजा ,राम(2003) सामाजिक सर्वेक्षण एवं अनुसंधान"Rawat Publication Jaipur
6. डॉ ऋषि कुमार शर्मा,2012, सामाजिक अनुसंधान अन्वेषण में सर्वेक्षण विधियां, आदित्य पब्लिशिंग हाउस
7. वीरेंद्र प्रकाश शर्मा, सामाजिक अनुसंधान की पद्धतियां, पंचशील प्रकाशन ,जयपुर